Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Y. A. Prasad:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether he proposes to reorganise his Ministry;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the economy in expenditure and efficiency expected as a result of the proposed reorganisation?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) to (c). It has been decided to abolish the Department of Coordination and to distribute the work of the Finance Ministry under three Secretaries, as against the existing four Secretaries. Reduction in the strength of other officers and staff will also be made. As the regrouping of subjects will be on a functional basis, it is expected to lead to greater efficiency.

A saving of over Rs. 2 lakhs during the remaining part of 1967-68 is expected.

राष्ट्रीय नेताओं की समाधियां

1219. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : क्या निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार भगत सिंह, श्री चन्द्रशेखर आजाद की समाधियां बनाने के प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इन समाधियों के लिये कौन से स्थानों को चुनने का विचार है तथा ये समाधियां कब तक बनाई जायेंगी ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री इकबाल सिंह) : (क) से (ग). कदाचित सदस्य महोदय का तात्पर्य नेताओं की मूर्तियां स्थापित करने से है। सरकार सार्वजनिक खर्चे पर मूर्तियां स्थापित करने के प्रस्ताव की शुरूआत नहीं करती। ऐसे प्रस्तावों को निगम निकायों, गैर-सरकारी संगठनों अथवा व्यक्तिगत तौर पर जो कि इस सम्बन्ध में पूर्ण व्यय को संभालें, के द्वारा परिचालित करने होते हैं। दिल्ली में मूर्तियों के सभी प्रस्तावों पर सरकार के द्वारा स्थापित समिति के द्वारा पहले विचार किया जाता है, जो कि समिति की सिफारिशों के आधार पर व्यक्तिगत मामलों पर निर्णय करती है।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति के स्थापन का प्रस्ताव भारतीय नवयुवक संघ के द्वारा बगैर किसी वास्तविक प्रस्ताव के प्राप्त हुआ है। संसद भवन के अहाते में सरदार भगत सिंह की मूर्ति स्थापित करने के खर्चे को देने का प्रस्ताव इंडियन रेवोल्यूशनरीज़ एसोसियेशन, इलाहाबाद ने किया है। ये प्रस्ताव अभी तक सरकार के विचाराधीन हैं। श्री चन्द्र शेखर आजाद की मूर्ति के सम्बन्ध में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

पिछड़ी जातियों का उद्धार

1220. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पिछड़ी जातियों के उद्धार के लिये सभी राज्यों की वित्तीय सहायता बन्द कर दी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने वित्तीय सहायता के स्थान पर पिछड़ी जातियों के लिये सेवा में कुछ पद सुरक्षित किये हैं तथा कुछ उद्योगों में कुछ कोटा अथवा प्राथमिकता निर्धारित की है; और